

गुरु ऋषभ की याद में आंखों से ये बरसे धारा लिरिक्स



बरसे धारा बरसे धारा बरसे धारा,
गुरु ऋषभ की याद में,
आंखों से ये बरसे धारा।bd।

तर्ज - चल अकेला चल अकेला।

विरह की वेदना अब गुरुवर,
हमको है सताये,
आ...आ...आ.....,
कहो दिल की ये पीड़ा,
हम जाकर किसको सुनाये,
आ...आ...आ.....,
हर भक्त पे मानो डाल दिया है,
आज गमो ने डेरा,
बरसे धारा बरसे धारा बरसे धारा,
गुरु ऋषभ की याद मे,
आंखों से ये बरसे धारा।bd।

लूटाकर प्यार भक्तो पर,
कहा तुम चले गये,
आ...आ...आ.....,
खुशियों के बादल देखो,
गमो में ढल गये,
आ...आ...आ.....,
सुख का सूरज डूबा,
छाया दुखो का ये अधियारा,
बरसे धारा बरसे धारा बरसे धारा,
गुरु ऋषभ की याद मे,
आंखों से ये बरसे धारा।bd।

पीयूष ये साथ है जन्मों का,
अब हम कैसे तोडले,
आ...आ...आ.....,
जिनचन्द्र प्रीत है तुमसे,
कैसे मुख ये मोडले,
आ...आ...आ.....,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



हर भक्त ये आज तुम्हारा,
बरसे धारा बरसे धारा बरसे धारा,
गुरु ऋषभ की याद में,
आंखों से ये बरसे धारा।bd।

बरसे धारा बरसे धारा बरसे धारा,
गुरु ऋषभ की याद में,
आंखों से ये बरसे धारा।bd।

सिंगर – दिलीप बाफना मुम्बई।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन, म.प्र. 9907023365
